ये अव्यक्त इशारे

संस्कार मिलन की रास करो

22-04-2024

मधुरता आने के बाद ही संस्कारों का मिलन होता है। भिन्न-भिन्न संस्कारों के कारण ही एक दो से दूर होते हो लेकिन जब वाणी में मधुरता (मिठास) आ जाती है तो फिर संस्कार मिलन की रास होने लगती है। जब संस्कार मिलन का सम्मेलन हो तब जयजयकार होगी।

Perform the dance of harmonising sanskars.

The harmonising of sanskars only takes place after there is sweetness within. It is only because of the variety of sanskars that you become distant from one another. However, when there is sweetness in your words, the dance of harmony begins to take place. When the conference of the harmonising of sanskars takes place, there will be cries of victory.